शहडोल की फुटबॉल क्रांति

'मिनी ब्राज़ील' विचारपुर में जर्मन कोच का आगमन

पांच बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज की दमदार उपस्थिति

शहडोल का विचारपुर, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मिनी ब्राज़ील' का दर्जा देते हुए राष्ट्रीय पहचान दिलाई थी, अब भारतीय फुटबॉल के उभरते हुए सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में गिना जाने लगा है। जर्मनी के प्रतिष्ठित क्लब एफसी इंगलस्टाट के प्रशिक्षक डाइटमार बियरसडॉर्फर 24 नवंबर को यहां पहुंच रहे हैं, वहीं शहडोल की पाँच बालिकाएं राष्ट्रीय अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता में चमक बिखेरकर जिले को नए गौरव की ऊँचाइयों पर ले गई हैं।

शहडोल।

आदिवासी बाहुल्य यह शांत जिला आज भारत के फुटबॉल मानचित्र पर एक नई कहानी लिख रहा है। विचारपुर गांव जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रसिद्ध कार्यक्रम 'मन की बात' में देश के सामने 'मिनी ब्राज़ील' नाम से प्रशंसा के साथ प्रस्तुत किया था, अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय का हिस्सा बनने जा रहा है। जर्मनी के फुटबॉल क्लब एफसी इंगलस्टाट शैंजऱ के वरिष्ठ कोच डाइटमार बियरसडॉर्फर 24 नवंबर को विचारपुर के मैदान में पहुंचकर स्थानीय खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण तकनीकों, यूरोपीय फुटबॉल रणनीतियों और खेल-शिक्षण की बारीकियों से रूबरू कराएंगे। यह आगमन केवल एक तकनीकी यात्रा नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में छिपी प्रतिभा पर वैश्विक भरोसे का प्रतीक भी है।

इन्हें मिला था अवसर

विचारपुर की फुटबॉल टीम ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने अनुशासन, सामूहिकता और अटूट जज़्बे से वह प्रभाव छोड़ा है कि जर्मन प्रशिक्षक स्वयं उनके बीच आने को प्रेरित हुए। इसी क्षमता को देखते हुए पिछले माह 4 से 12 अक्टूबर तक जर्मनी में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विचारपुर के पाँच युवा खिलाड़ी सानिया कुंडे, सुहानी कोल, प्रीतम कुमार, वीरेंद्र बैगा और मनीष घसिया ने हिस्सा लिया। इनके साथ महिला कोच लक्ष्मी सहिस को भी उन्नत कोचिंग का अवसर प्रदान किया गया।

बिना संसाधन शुरू की परंपरा

विचारपुर को 'मिनी ब्राज़ील' कहे जाने का इतिहास भी रोचक है। वर्षों पहले यहाँ फुटबॉल प्रेमियों की एक पीढ़ी ने बिना संसाधनों, बिना स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, केवल मिट्टी के मैदान और जज़्बे के सहारे खेल की एक परंपरा शुरू की थी। धीरे-धीरे यह जुनून बच्चों और किशोरों में इस तरह रचा-बसा कि पूरा गांव फुटबॉल की धुन पर दौड़ने लगा। खेल की इसी संस्कृति ने इसे वह पहचान दिलाई जिसे प्रधानमंत्री ने मन की बात के जरिए पूरे देश में उजागर किया।

शहडोल की पाँच बालिकाओं का जलवा

नागालैंड के दीमापुर में 23 से 27 नवंबर तक आयोजित राष्ट्रीय अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की टीम ने शानदार शुरुआत की। हिमाचल प्रदेश पर 5-0 की प्रचंड जीत में शहडोल के विचारपुर की पांच बालिकाओं अर्चना बैगा, खुशी सिंह, पुनीता सिंह, सानिया कुंडे और राधनी सिंह की निर्णायक भूमिका रही। ये सभी खिलाड़ी रिलायंस डीएफ़ए फुटबॉल सेंटर शहडोल में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। चयन प्रक्रिया सिंगरौली में आयोजित जूनियर अंडर-17 टूर्नामेंट के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर आधारित थी, जिसमें 20 खिलाड़ियों की अंतिम सूची तैयार की गई। चयन सहायक संचालक रईस अहमद की देखरेख में हुआ, जबकि टीम मैनेजर एवं कोच यशोदा सिंह ने बताया कि 25 नवंबर को मध्यप्रदेश का दूसरा मुकाबला महाराष्ट्र से होगा। इन बालिकाओं का प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि विचारपुर की फुटबॉल संस्कृति अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोडऩे लगी है।

प्रधानमंत्री के शब्दों ने बदली दिशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में विचारपुर का उल्लेख करते हुए इसे 'मिनी ब्राज़ील' का सम्मान दिया था, तो इस छोटे से गांव की कहानी अचानक पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा था मध्य प्रदेश के शहडोल का विचारपुर गांव फुटबॉल की जिस ऊर्जा और अनुशासन से पहचान बना रहा है, वह भारत की नई खेल संस्कृति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के इस कथन ने गांव में केवल सम्मान ही नहीं बढ़ाया, बल्कि निवेश, मार्गदर्शन और खेल-संस्थाओं का ध्यान भी आकर्षित किया। इसके बाद से सामाजिक संगठनों, निजी कोचिंग समूहों और विदेशी क्लबों का सहयोग तेजी से बढ़ा है।

गांव का मैदान अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल का केंद्र बन जाए

जर्मन कोच का आगमन न केवल खिलाडिय़ों के लिए प्रेरणादायक अवसर है, बल्कि यह संकेत भी है कि शहडोल आने वाले वर्षों में प्रदेश का सबसे बड़ा फुटबॉल हब बन सकता है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, एएसपी एवं प्रभारी खेल अभिषेक दीवान, सहायक संचालक रईस अहमद, कोच यशोदा सिंह, अनिल सिंह, लक्ष्मी सहिस, राजीव श्रीवास्तव, राजू बैगा, नीलेंद्र कुंडे सहित विभिन्न खेल संगठनों ने बालिकाओं और प्रशिक्षकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी है। मोबाइल और डिजिटल दुनिया के आकर्षण के बीच जब बच्चे मैदानों से दूर होते जा रहे हैं, ठीक उसी समय शहडोल के युवा फुटबॉलर खेल की नई कहानी लिख रहे हैं। यह कहानी बताती है कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं, उसके लिए आवश्यक है अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास। और आज शहडोल को यह तीनों चीजें एकसाथ मिल रही हैं।

जर्मन कोच की मौजूदगी में ऐतिहासिक दिन

24 नवंबर 2025 को विचारपुर खेल मैदान में जर्मनी के कोच डाइटमार बियरसडॉर्फर स्थानीय खिलाड़ियों, ग्रामीणों और मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। वे ग्रामीण स्तर पर विकसित इस अनूठी फुटबॉल संस्कृति को समझेंगे और अंतरराष्ट्रीय मानकों की ट्रेनिंग से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। यह दिन विचारपुर और शहडोल की फुटबॉल यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन से शहडोल कांग्रेस में नई ऊर्जा

बाइक रैली से भव्य स्वागत, संगठन को मजबूत करने पर जोर

समन्वय समिति बैठक एवं बीएलए 2 प्रशिक्षण संपन्न

शहडोल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव हरीश चौधरी सहित राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी चंदन यादव और रणविजय सिंह का शहडोल आगमन बुधवार को राजनीतिक हलचल का कारण बन गया। उनके आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस भवन में समन्वय समिति की बैठक एवं बीएलए 2 का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वागत समारोह के दौरान जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत किया और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कोनी तिराहा से कांग्रेस भवन तक बाइक रैली से हुई, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपने जोश का परिचय दिया। तत्पश्चात आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने मीडिया से सीधे संवाद किया और आगामी नीतियों, संगठनात्मक सुधार और पार्टी की दिशा पर प्रकाश डाला।

जिला कांग्रेस भवन में आयोजित समन्वय समिति की बैठक में पार्टी की रीति-नीति और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रदेश प्रभारी ने पार्टी पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए कि संगठन को मजबूत करना और आने वाले चुनावों में पार्टी की स्थिति सुदृढ़ करना प्राथमिकता हो। बैठक के बाद बीएलए 2 का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिले के सभी बीएलए 2 उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में प्रदेश प्रभारी ने युवा और सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्य, जनसंपर्क और निर्वाचन क्षेत्रों में प्रभावी रणनीतियों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, नीरज द्विवेदी, राकेश कटारे, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, प्रभात पाण्डेय, पियूष शुक्ला, अनुज मिश्रा सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। प्रदेश प्रभारी के शहडोल आगमन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी है। पार्टी ने इसे संगठन को और सशक्त करने, आगामी चुनावों की तैयारी तेज करने और स्थानीय नेतृत्व को मजबूत बनाने का अवसर बताया।

एस. आई. आर. के कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने आदेश जारी कर निर्देशित किया है कि निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 किया जा रहा है। जिसके लिए बीएलओ द्वारा मतदाताओं से गणना पत्रक प्राप्त कर अपलोड किया जाना है। बीएलओ के साथ नगरपालिका के वार्ड प्रभारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य लोगों को सहयोग के लिए लगाया गया है। इनके कार्य के निरीक्षण एवं सफल संचालन के लिए शिवम प्रजापति, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल मो.नं. 8839713732 को ग्रामीण क्षेत्र हेतु नोडल अधिकारी तथा समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी एवं अक्षत बुंदेला, शहरी विकास अभिकरण अधिकारी जिला शहडोल मो.नं. 7748810007 को शहरी क्षेत्र नोडल अधिकारी तथा समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी जिला शहडोल को शहरी सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

यातायात पुलिस ने की अनाधिकृत हूटर पर सख्त कार्रवाई

शहडोल। नगर क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुधारने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शहडोल पुलिस ने आज विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई प्राइवेट वाहनों में नियमों के विपरीत अनधिकृत हूटर लगाए होने का खुलासा हुआ।

पुलिस ने ऐसे वाहनों के चालकों के खिलाफ तत्काल वैधानिक कार्रवाई की और अनधिकृत हूटर जब्त कर दिए। इस दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेज़ों की भी गहन जांच की गई, जिसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन प्रमाणपत्र, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र शामिल थे। दस्तावेज़ों में कमी पाए जाने पर संबंधित चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस ने कहा कि यह अभियान शहर में नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सडक़ सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगातार जारी रहेगा। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अनधिकृत उपकरणों का उपयोग न करें और आवश्यक दस्तावेज हमेशा अपने पास रखें। इस अभियान से यह संदेश साफ है कि शहडोल पुलिस सडक़ पर अनुशासन बनाए रखने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई करने में पीछे नहीं है।

सीएमएचओ ने किया उप स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने उप स्वास्थ्य केंद्र बमुरा, सामतपुर, कठौतिया एवं बोडरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उप स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध दवाओं तथा वितरण की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की शासन के निर्देशानुसार उप स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाइयां की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया भी कराए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजो को दी जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करते हुए स्टाफ को समय पर उपस्थित होकर पूरी संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवाएं प्रदान के निर्देश दिए।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के लिए समन्वयक नियुक्त

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि लिम्फेटिक फाइलेरियासिस उन्मूलन कार्यक्रम 10 फरवरी 2026 को जिले के विकासखंड सोहागपुर में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियों में आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु एनव्हीबीडीसीपी अंतर्गत जिला समन्वयक गौरव मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

फोर व्हीलर-ट्रक में आमने-सामने की टक्कर, 8 घायल, एक की हालत नाज़ुक

उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में दर्दनाक सडक़ हादसा सामने आया, जिसमें एक तूफान फोर व्हीलर और ट्रक की सीधी भिड़ंत में 18 लोग घायल हो गए। घटना बरम बाबा के समीप सुबह लगभग 5:30 बजे की है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फोर व्हीलर का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और वाहन के अंदर बैठे लोग चीख उठे। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े और तुरंत पुलिस एवं 108 एंबुलेंस सेवा को खबर दी। जिला 108 सेवा प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा के निर्देशन पर तीन एंबुलेंस मौके पर पहुँचीं। टीम ने गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार देने के बाद तत्काल जिला चिकित्सालय उमरिया रवाना किया।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार सभी घायलों का इलाज जारी है, जबकि एक व्यक्ति की स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। उसे आईसीयू में डॉक्टरों की विशेष निगरानी में रखा गया है। अन्य घायल भी विभिन्न चोटों से पीड़ित हैं और उनका उपचार लगातार जारी है। बरम बाबा का इलाका जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर सुबह के समय वाहनों की रफ्तार तेज रहती है, जिससे हादसे का जोखिम बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि सडक़ पर आवश्यक चेतावनी संकेतों और पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण यह मार्ग पहले भी कई दुर्घटनाओं का गवाह बन चुका है। लोगों ने प्रशासन से इस सडक़ पर सुरक्षा प्रबंध मजबूत करने की मांग की है।

पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और दोनों वाहनों को सडक़ से हटाकर यातायात पुनः चालू कराया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार टक्कर का मुख्य कारण हो सकती है। हालांकि, पुलिस चालकों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सटीक वजह जानने में जुटी है। इधर, हादसे की खबर लगते ही घायलों के परिवारों में चिंता व्याप्त हो गई। कई परिजन अस्पताल पहुंचकर उपचार की जानकारी लेते रहे। पुलिस घायलों के नाम-पते दर्ज कर उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया में लगी है।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि इस मार्ग पर सावधानी बरतें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और ओवरटेकिंग से बचें। यह भीषण हादसा एक बार फिर सडक़ सुरक्षा व्यवस्था और जागरूकता की गंभीर जरूरत को उजागर करता है।

अंधविश्वास की काली छाया: सिंचौरा में महिला की निर्मम हत्या

शहडोल। जहां एक ओर देश विज्ञान और आधुनिकता की सीढ़ियां चढ़ रहा है, वहीं जिले के सिंचौरा गांव में अंधविश्वास की जड़ों ने एक बार फिर एक निर्दोष की जान ले ली। सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत 50 वर्षीय राजवती गोंड की कुल्हाड़ी से काटकर की गई नृशंस हत्या ने पूरे अंचल को स्तब्ध कर दिया है, और गांव में खौफ का माहौल पैदा हो गया है।

जादू-टोना का वहम

14 नवंबर की रात राजवती गोंड अपने कमरे में अकेली सो रही थीं, तभी पड़ोस में रहने वाला पप्पू सिंह गोंड चुपके से घर में घुसा। हत्यारे ने सोते हुए महिला की गर्दन पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे मौके पर ही राजवती की मौत हो गई। पुलिस जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। आरोपी पप्पू सिंह गोंड की बड़ी बेटी की कुछ समय पहले पानी में डूबने से मौत हो गई थी, जिसे परिवार ने हादसा माना था, लेकिन अंधविश्वास में जकड़े पप्पू ने यह वहम पाल लिया कि उसकी बेटी की मौत सामान्य नहीं, बल्कि जादू-टोना के कारण हुई है और इसके लिए उसने मृतका राजवती को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहरा दिया।

पत्नी-बच्चों की मिन्नतें भी नाकाम

हत्या वाली रात आरोपी ने खाना खाने के बाद अपनी पत्नी और बच्चों की रोकने की तमाम कोशिशों को दरकिनार कर दिया। वह गुस्से में कुल्हाड़ी लेकर राजवती के घर पहुंचा और इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया। वारदात के बाद पप्पू सिंह अगले दिन ढोलर गांव में दोस्तों के साथ घूमता रहा और फिर फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुष्टि की है कि अब तक मिले साक्ष्य हत्या का संदेह सीधे पप्पू सिंह पर दर्शाते हैं।

पुलिस की टीमें आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं। कप्तान ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि जागरूकता के दावों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास एक गंभीर सामाजिक बुराई बना हुआ है, जिसके खिलाफ सख्त कानूनी और सामाजिक अभियान चलाने की तत्काल आवश्यकता है।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - (1) चन्द्रकला पटेल पिता\पति-परस राम पटेल पता - गोपिया पारा पुरानी बस्ती, (2) कान्त तिवारी पिता\पति- स्व.राम कृष्ण तिवारी पता - 248 समता कॉलोनी रायपुर, (3) तम्मंत पटेल पिता\पति लक्ष्मीकान्त पटेल पता – रायपुर, (4) भारती चंद्राकर पिता\पति दीपक चंद्राकर पता - शिव विहार कॉलोनी संतोषी नगर रायपुर, (5) अनिल जनबंधु पिता\पति-स्व. कुंडलिक जनबंधु पता- बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर, (6) लक्ष्मीकान्त वैष्णव पिता\पति संतोष कुमार वैष्णव पता - रायपुरा रायपुर ,(7) चन्द्रकला पिता\पति संतोष कुमार साहू पता - कुरूद रावाभाटा बिरगांव , (8) पुलकित कुमार साहू पिता\पति पवन कुमार साहू पता - शहीद नगर बिरगांव, (9) सूर्यकांत साठे पिता\पति -प्रकाश राव साठे पता - अश्वनी नगर रायपुर, (10) लोकेश कुमार वर्मा पिता\पति-हेमू राम वर्मा पता - तरपोंगी रायपुर, (11) पार्थिव धुवारे पिता\पति ओम प्रकाश धुवारे पता- इंद्रा नगर भिलाई, (12) निशा यादव पिता\पति केशव यादव पता- प्रेम नगर सिकोलाभाठा दुर्ग, (13) रौनक सिंह राजपूत पिता\पति युवराज सिंह राजपूत पता-दुर्गा चौक दीपक किराना स्टोर शंकर नगर दुर्ग, (14) हर्ष राजपूत पिता\पति कौशल सिंह राजपूत पता-बजरंग नगर दुर्ग, (15) वेदांश तम्बोली पिता\पति खुशाल तम्बोली पता - गणेश पान मंदिर इंदिरा मार्केट, (16) चेतन देवांगन पिता\पति ओम प्रकाश देवांगन पता-गायत्री मंदिर दुर्ग, (17) राकेश कुमार यादव पिता\पति राजू यादव पता- गणेश चौक ए.सी.सी. जामुल, (18) आशीष शर्मा पिता\पति राजेंद्र शर्मा पता-बापू नगर खुर्शिपार भिलाई, (19) पोषण देवांगन पिता\पति कमलबी देवांगन पता- खुर्शिपार भिलाई, (20) नीमा साहू पिता\पति केशव साहू पता - सेलूद भिलाई , (21) हेमलता साह पिता\पति दाऊ लाल साहू पता - बेलर, (22) आदित्य यदु पिता\पति आनंद मधु यदु पता- छाती धमतरी, (23) लोकेश कुमार उपाध्याय पिता\पति स्व. राधे प्रसाद उपाध्याय पता- आमा तालाब रोड गौरा चौरा के पास धमतरी, (24) पारख प्रकाश साहू पिता\पति फल्लेश साहू पता-बोडरा स धमतरी, (25) रोहित तिवारी पिता\पति राधेश्याम तिवारी पता -राजनादगांव, (26) साधना ठाकुर पिता\पति केसव सिंह पता-डोंगरगढ़, (27) हेजल साहु पिता\पति मेषकुमार साहु पता - टेड़ेसरा, (28) शोभा राम देवांगन पिता\पति सेवा राम देवांगन पता-बेमेतरा, (29) अनिषा भगत पिता\पति धनमोहन भगत पता-जेल लाइन कांकेर, (30) डीपेश कुमार सेन पिता\पति गौकरण कुमार सेन पता-नवागांव, (31) मिनाक्षी सुधाकर वाकचौके पिता\पति सुधाकर वाकचौके पता-शांति नगर जगदलपुर, (32) शकीला परवीन पिता\पति मोहम्मद परवीन पता-रायपुर(पिथोरा), (33) प्रीति साहू, पिता\पति राम साहू पता-कवर्धा, (34) अखिलेश कुमार यादव पिता\पति सोहनलाल यादव पता-सिविल लाइन षष्ठी मंदिर के पास, (35) भगवती प्रसाद पिता\पति रामचरण प्रसाद पता-कोंडागांव। बिलासपुर संस्करण - (36) अनंदिता सूर्यवंशी, पिता का नाम अशोक सूर्यवंशी पता-राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर, (37) काव्या पटेल, पिता- मोहन पटेल पता- छोटी कोनी बिलासपुर, (38) अशोक कुमार देवांगन, पिता- केदारनाथ देवांगन, पता – कुम्हारपारा करबला रोड, बिलासपुर (39) अपूर्वा कौशिक पिता- दिलीप कौशिक पता-यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर (40) आयुष्मान मिश्रा, पिता - केशव कुमार मिश्रा पता– राजकिशोर नगर, – बिलासपुर (41) केदार नाथ श्रीवास, पिता–बहोरन लाल श्रीवास, – बिलासपुर पता - महिर्ष स्कूल रोड मंगला बिलासपुर, (42) मंजू बंजारे, पिता– संतोष कुमार बंजारे पता - मिनी माता नगर तेलीपारा बिलासपुर, (43) सुरेखा गुप्ता, पिता – स्व. रामकुमार गुप्ता पता– सरकंडा कपिल नगर बिलासपुर, (44) अशोक कुमार कौशिक पिता– स्व.श्री बी.आर.कौशिक, पता – ओम नगर जरहाभाठा बिलासपुर, (45) इरम परवीन, पिता– शेख शरीफ, पता बिलासपुर कुदुदण्ड, (46) किशोर कुमार त्रिवेदी पिता–स्व.ए.के.त्रिवेदी, पता – बिलासपुर, (47) श्रीमती रानी मिश्रा, पिता–स्व.सुधीर चंद्र मंडल, पता – फ्रेंड्स रेसीडेंसी सरकंडा, बिलासपुर, (48) प्राची गंधर्व, पिता– कृष्णा गंधर्व, पता- न्यूज सरकंडा जबरापारा, बिलासपुर (49) नवीन पटेल, पिता–भैयाराम पटेल, पता – अभिषेक बिहार फेस-2 मंगला, बिलासपुर (50) नारद कुमार विश्वकर्मा, पिता– श्री राम सिंह, पता – नूतन चौक बिलासपुर, (51) दुष्यंत देवांगन, पिता–हरनारायण देवांगन, पता – मातृ छाया होस्टल बिलासपुर, (52) राजकुमार खरे पिता– स्व.मुन्नालाल खरे पता – साईं बिहार कॉलोनी मोपका, बिलासपुर (53) कल्याणी साहू पिता–जगदेव साहू पता – सकरी, बिलासपुर (54) सोम्य साहू, पिता– दीपक कुमार पता – सकरी, बिलासपुर (55) धनीराम टंडन पिता– स्व.बजारू टंडन पता – तालापारा बिलासपुर, (56) चित्रलेखा यादव, श्री श्यामलाल यादव, पता – शांति नगर सकरी, बिलासपुर (57) शाजी थामस पिता– स्व.सी.पी.थॉमस पता – बिलासपुर, (58) गुंजन साहू, पिता–दिलेश कुमार साहू, पता हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी परसदा, जिला–बिलासपुर। भोपाल संस्करण - (59) समिक्षा जैन पिता\पति सुभाष जैन पता-बैरसिया, (60) आयशा बी पिता\पति मुईन पता- बैरसिया, (61) चरण सिंह पिता\पति रामनारायण पता- मकान नं 13 ग्राम चंदेरी बैरसिया रोड, (62) नेहा विश्वकर्मा पिता\पति - विश्वकर्मा नगरकरोदभोपाल, (63) ज्योति बंजारा पिता\पति विजय सिंह पता-बंजारा बड़ी उकावद गुना, (64) अमिता पिता\पति उदित गौर पता-वार्ड न 17 तवा कॉलोनी हरदा, (65) साधना गौर पिता\पति रविशंकर गौर पता- तवा कॉलोनी हरदा, (66) विराज घाटे पिता\पति कपिल घाटे जोशी कॉलोनी हरदा, जबलपुर संस्करण - (67) आस्था अग्रवाल पिता\पति विजय अग्रवाल पता-कांचघर चौक संजय गांधी बोर्ड घमापुर, (68) हर्ष नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (69) राजेंद्र सोनकर पिता\पति नारायण प्रसाद सोनकर पता-मोहनी होम्स बिलहरी, (70) मान्यता अहिरवार पिता\पति राजेंद्र अहिरवार पता-ग्वारीघाट रोड, (71) यश नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (72) अंजना नायक पिता\पति वीरेंद्र नायक पता- पंडित नेहरू वार्ड क्रमांक 8 बाजार मोहल्ला पाटन, (73) वंश यादव पिता\पति राजेश यादव पता-गुरु मोहल्ला पाटन जबलपुर, (74) मयंक मेहरा पिता\पति मिथिलेश कुमार पता-मेहरा पाटन। नियम एवं शर्ते लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

उमरिया में बढ़ती आर्थिक विषमता का नया चेहरा

गरीबी रेखा कार्ड में भारी गड़बड़ी प्रशासन की निगरानी पर उठे सवाल

उमरिया। जिले में गरीबी रेखा और पात्रता पर्ची से जुड़े मामलों में अनियमितताओं का ऐसा सिलसिला सामने आ रहा है जिसने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। शासन जहां हर वर्ष अपने बजट में गरीबी घटने और समृद्धि बढऩे का दावा करता है, वहीं जमीनी हालात इसके बिल्कुल उलट तस्वीर पेश कर रहे हैं। उमरिया जिले में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से सक्षम लोग स्वयं को गरीब बताकर सरकारी हितग्राही योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवार अब भी पात्रता से वंचित हैं।

कागजों में गरीब लाखों की संपत्ति के मालिक

ग्रामीण अंचलों में ऐसे कई मामले प्रकाश में आए हैं, जहां पक्के मकान, चारपहिया वाहन और स्थायी आय वाले परिवारों ने गलत जानकारी देकर गरीबी रेखा कार्ड बनवा लिए हैं। इन कार्डों की बदौलत वे सस्ते राशन से लेकर आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। दूसरी ओर, ऐसे अनेक पात्र हितग्राही हैं जिन्हें वर्षों से राशन कार्ड बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जरूरतमंद परिवार तो निराश होकर प्रयास ही छोड़ चुके हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि वास्तविक आर्थिक स्थिति की जांच में भारी लापरवाही बरती जा रही है। आवेदनकर्ता के मकान, आय, नौकरी, वाहन और संपत्ति की स्पष्ट जानकारी मौजूद होने के बावजूद जांच अधिकारी आंख मूंदकर कार्ड जारी कर देते हैं। वहीं, गरीब परिवारों की फाइलें छोटी-छोटी त्रुटियों का हवाला देकर निरस्त कर दी जाती हैं।

सरकारी कर्मचारी भी शामिल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अनेक सरकारी कर्मचारी भी गलत विवरण देकर बीपीएल कार्ड बनवाने में सफल रहे हैं। ये वही कर्मचारी हैं जो नियमों को भलीभांति जानते हैं। इनके पास स्थायी आय, नौकरी और संपत्ति होते हुए भी वे गरीबों के लिए बनी योजनाओं का वर्षों से लाभ ले रहे हैं। ऐसे कर्मचारी प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस योजना, आयुष्मान कार्ड, एक रुपये किलो चावल और यहां तक कि क्रञ्श्च (राइट टू एजुकेशन) जैसे महत्वपूर्ण लाभ भी उठा रहे हैं। इस गैरकानूनी लाभ का असर सीधे वास्तविक पात्र गरीब परिवारों पर पड़ता है। जिनके नाम पर योजनाएं चलनी चाहिए, वहीं परिवार दो वक्त के भोजन और बच्चों की पढ़ाई तक के लिए संघर्ष कर रहा है।

शिक्षा योजनाओं पर भी अमीरों का कब्जा

जिले में आरटीई योजना, जो गरीब परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा देने के लिए बनाई गई थी, वह भी अपात्रों की मनमानी का शिकार हो रही है। ऐसे परिवार जिनके पास पक्के मकान, निजी वाहन और स्थायी नौकरी है, वे झूठे गरीबी कार्ड के आधार पर अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिला रहे हैं। नतीजतन, असली जरूरतमंद परिवार आवेदन भरते रह जाते हैं, जबकि सीटें अपात्रों से भर जाती हैं।

सवालों के घेरे में निरीक्षण अधिकारी

राशन कार्ड जारी होने से पहले की जाने वाली जांच ही इस पूरे तंत्र की सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही है। कई मामलों में जांच अधिकारी आवेदनकर्ता के घर पहुँचकर वास्तविक परिस्थितियों का निरीक्षण करने के बावजूद लापरवाही बरतते हैं। अपात्रों के पक्के मकान, व्यवसाय या नौकरी को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि गरीब आवेदकों की फ़ाइलें मामूली अभावों के कारण खारिज कर दी जाती हैं। इसका सीधा लाभ उन लोगों को मिलता है जो आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद गरीबी का हवाला देकर सरकारी अनाज और सुविधाएँ हथिया रहे हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर जनता में रोष

सवाल यह है कि जिले का प्रशासन कब तक इस संवेदनशील मुद्दे पर मौन रहेगा? खाद्य सुरक्षा सूची में अपात्र लोगों की बढ़ती संख्या न केवल सरकारी संसाधनों का नुकसान कर रही है, बल्कि गरीब वर्ग को मिलने वाले हक़ पर भी डाका डाल रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन सही तरीके से सत्यापन करवाए, तो सैकड़ों अपात्र नाम सूची से बाहर हो जाएंगे और खाद्यान्न वितरण में पर्याप्त सुधार आएगा। अब जिले की निगाहें संवेदनशील जिला कलेक्टर पर टिकी हैं। जनता की अपेक्षा है कि वे इस गंभीर समस्या की वस्तुस्थिति को समझते हुए बड़े पैमाने पर जांच शुरू करें और अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि असली गरीबों को उनका हक मिल सके।

इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म: मो. असलम शेर

हिंदू-मुस्लिम एकता मंच का मानवता अभियान शुरू

सर्द रातों में बेसहारा लोगों तक पहुँचाए जा रहे कम्बल

उमरिया। बढ़ती ठंड के बीच मानवता की मिसाल बने हिंदू-मुस्लिम एकता मंच ने इस वर्ष भी अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों के लिए कम्बल वितरण अभियान शुरू कर दिया है। जिले में तापमान लगातार गिर रहा है और ऐसे में फुटपाथों, झुग्गियों और असुरक्षित स्थलों पर रहने वाले लोग ठंड की मार झेलने को मजबूर हैं। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मंच ने एक बार फिर समाज सेवा का दायित्व निभाते हुए गरीब, वृद्ध, महिला, दिव्यांग और असहाय लोगों को कम्बल उपलब्ध कराना शुरू किया है। मंच की टीम द्वारा शहर की गलियों, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, मलिन बस्तियों तथा आसपास के गांवों में जाकर उन लोगों को चिन्हित किया गया जो भीषण ठंड में बिना पर्याप्त कपड़ों के रह रहे हैं। रात के समय टीम ने कई स्थानों पर भ्रमण कर ऐसे लोगों तक कम्बल पहुँचाए, जो सहायता माँगने की स्थिति में भी नहीं होते। मंच के सदस्यों का कहना है कि यह अभियान केवल एक-दो दिन का नहीं, बल्कि पूरी सर्दी भर लगातार जारी रहेगा।

हमारी पहचान सिर्फ मानवता

कार्यक्रम के दौरान मंच के संस्थापक मो. असलम शेर ने कहा कि मंच की सोच किसी धर्म, जाति या वर्ग से ऊपर है। उन्होंने कहा जो व्यक्ति ठंड में ठिठुर रहा है, उसका कोई धर्म नहीं होता, वह हमारे समाज की जिम्मेदारी होता है। हिंदू-मुस्लिम एकता मंच मानवता को सर्वोपरि मानता है। हमारा उद्देश्य कम्बल बांटना ही नहीं, बल्कि समाज में यह संदेश देना है कि सहयोग किसी धर्म का नहीं, बल्कि सभी का कर्तव्य है। असलम शेर ने मंच के युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि सर्दी की हर रात टीम जरूरतमंदों की खोज में रहती है ताकि कोई भी बेसहारा व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में उपयोग किए जा रहे कम्बल समाजसेवियों, स्थानीय दानदाताओं और मंच सदस्यों के सहयोग से उपलब्ध कराए गए हैं।

सर्दी भर चलेगा सेवा का संकल्प

मंच के संयोजक राजेंद्र कोल ने बताया कि इस बार अभियान का दायरा पहले से अधिक बड़ा रखा गया है। उन्होंने कहा कि मंच ने जिले के सभी ब्लॉकों, ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग टीमें गठित की हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में रात के समय गश्त कर जरूरतमंद लोगों तक कम्बल पहुंचाएगी। उन्होंने कहा हमारा संकल्प है कि इस सर्दी में उमरिया जिले का कोई भी वृद्ध, दिव्यांग, महिला या गरीब व्यक्ति ठंड से परेशान न रहे। यदि किसी स्थान पर कोई जरूरतमंद दिखता है, तो हमारी टीम तुरंत पहुंचेगी। राजेंद्र कोल ने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जो भी नागरिक सामग्री या आर्थिक रूप से मदद करना चाहता है, मंच उसे पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करेगा और उनका आभार प्रकट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाज के कई युवा इस अभियान से जुड़े हैं और यह बढ़ती संवेदनशीलता जिले के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम में मो. अल्ताफ, अब्दुल साबित, कृष्णकांत तिवारी, मो. मंसूर, हनीफ खान, आकाश द्विवेदी, अम्बर शुक्ला, सरताज शाह सहित मंच के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सर्दी के बढ़ते प्रकोप के बीच हिंदू-मुस्लिम एकता मंच का यह अभियान न केवल राहत पहुँचा रहा है, बल्कि जिले में एकता, भाईचारे और मानवता की मजबूत मिसाल भी पेश कर रहा है।

प्रभारी कलेक्टर ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

उमरिया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं और एप पर उपलब्ध लिंक पर मतदाता विवरण अद्यतन कर रहे हैं। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने मतदान केंद्र क्रमांक 163, मतदान केंद्र क्रमांक 158 तथा मतदान केंद्र क्रमांक 159 मे चल रहे एसआई कार्य का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र क्रमांक 163 में एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 71 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया। इसी तरह मतदान केंद्र क्रमांक 158 मे एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया। इसी प्रकार मतदान केंद्र क्रमांक 159 मे एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया।

प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने बीएलओ को निर्देशित किया कि समय सीमा में एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य करना सुनिश्चित करें । इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा , मतदान केंद्र क्रमांक 163 के बीएलओ राजेंद्र रैदास, 158 मतदान केंद्र के बीएलओ कल्लू प्रसाद बैगा तथा 159 मतदान केंद्र के बीएलओ श्रेयांश सिंह, वालेटिंयर रावेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

विदित हो कि घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप (ड्राप्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

गोण्ड सभ्यता के जननायकों पर केंद्रित तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ

पहले दिन 'राजा पेमलशाह' पर आधारित नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

उमरिया। शासकीय कॉलरी स्कूल मैदान में शुक्रवार शाम गोण्ड सभ्यता के गौरवशाली इतिहास और जननायकों पर आधारित तीन दिवसीय सांस्कृतिक श्रृंखला का भव्य आगाज हुआ। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ बांधवगढ विधायक शिवनारायण सिंह एवं प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम 22 से 24 नवंबर तक प्रतिदिन सांस्कृतिक विविधताओं से सराबोर प्रस्तुतियों के साथ आयोजित किया जाएगा।

उद्घाटन के बाद मंच पर राजा पेमलशाह के जीवन, संघर्ष और पराक्रम पर आधारित विशद नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के सधे हुए नृत्य, संवादों और सजीव अभिनय ने वातावरण को अद्भुत बना दिया। मंचन समाप्त होते ही दर्शकों ने तालियों की गडगड़ाहट से कलाकारों का स्वागत किया। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन रामचंद्र सिंह ने किया, जबकि संगीत संयोजन मिलिन्द त्रिवेदी द्वारा किया गया।

नृत्य-नाटिका में दर्शाया गया कि ब्रह्मा द्वारा सृष्टि निर्माण के बाद जब मानव समाज के संचालन और भरण-पोषण की जिम्मेदारी तय की गई, तो ब्राह्मणों ने पूजा-अर्चना का दायित्व स्वीकार किया, जबकि क्षत्रियों ने यह कहकर जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया कि वे युद्धकर्म में प्रवृत्त रहेंगे। अंततः जब ब्रह्मा ने गोण्ड समुदाय को यह दायित्व सौंपा तो उन्होंने बिना हिचक इसे स्वीकार कर लिया। कथा के अनुसार कालांतर में गोण्ड जाति में श्रेष्ठता सिद्ध करने की आपसी प्रतिस्पर्धा बढऩे लगी, जिसके चलते सामाजिक अव्यवस्था पैदा हो गई। तब ब्रह्मा ने संकल्प लिया कि समुदाय में एक नेतृत्वकर्ता की स्थापना की जाए।

नाट्य प्रस्तुति में दर्शाया गया कि देवताओं द्वारा की गई मंथन प्रक्रिया से सात कोरी देवता निर्मित होते हैं, जिनके माध्यम से एक विशिष्ट योद्धा-पुरुष उत्पन्न होता है। ब्रह्मा उसे गोण्डों का राजा घोषित करते हैं। इसी वंश परंपरा से शक्तिशाली और पराक्रमी राजा पेमलशाह का जन्म माना जाता है। कथा में राजा पेमलशाह के चार वीर भाई—शंकर शाह, दलपत शाह, बुद्धन शाह और दूधन शाह—का उल्लेख भी प्रमुखता से किया गया। नृत्य-नाटिका में यह भी चित्रित किया गया कि प्राकृतिक आपदाओं से राजा पेमलशाह का राज्य बुरी तरह प्रभावित होता है और प्रजा भूखमरी का सामना करने लगती है। ऐसी कठिन परिस्थिति में पेमलशाह धैर्य नहीं खोते। वे स्वयं खेती-बाड़ी करते हैं, जनता को संगठित करते हैं और अपने प्रयासों से राज्य में पुनः खुशहाली स्थापित कर देते हैं। उनकी कर्मठता और प्रजापालक नीति की जानकारी दिल्ली में बैठे रूम बादशाह तक पहुंचती है, जो पेमलशाह की योग्यता से प्रभावित होकर उन्हें गढ़ मंडला और चौरा दादर की उन्नति का दायित्व सौंपता है। नाट्य मंचन में दिखाया गया कि पेमलशाह अपने परिवार के वृद्ध देव और पैतृक आराध्यों का आह्वान कर चौरा दादर और गढ़ मंडला को पुनः आबाद और समृद्ध बना देते हैं। इस प्रसंग को कलाकारों ने बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में नागरिक, युवा और सांस्कृतिक प्रेमी मौजूद रहे। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक अमन दुबे सहित कई अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पहले दिन मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बाद आयोजकों को उम्मीद है कि शेष दो दिनों में गोण्ड सभ्यता की अन्य ऐतिहासिक गाथाओं को देखने दर्शकों की भीड़ और बढ़ेगी।

जनभागीदारी से ग्राम गिंजरी में किया गया बोरी बंधान

उमरिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला के निर्देश पर जिले के कई स्थानों में जल संचय अभियान किया जा रहा है । मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र/छात्रों व नवांकुर संस्था कांता देवी अन्त्योदय सेवा समिति द्वारा संयुक्त रूप से विकासखंड करकेली के सेक्टर 2 निगहरी के ग्राम गिंजरी में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु 50 बोरीयों का बोरी बंधान कार्य संपादित किया गया।

बोरी बंधान का उददेश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, भू-जल स्तर के संवर्धन एवं जनसहभागिता से स्थानीय जल प्रबंधन को सुदृढ़ करना रहा। जल संचयन अभियान के अन्तर्गत जनभागीदारी के द्वारा बोरी बन्धान बनाकर बहते पानी को रोका गया । संरक्षित जल का उपयोग ग्राम के किसान वर्तमान समय में रबि की फसल की सिंचाई हेतु उपयोग में लाया जाएगा जिससे ग्राम की भूमि हरी भरी एवं कृषि उपज का विकास होगा इस उद्देश्य को लेकर ग्राम में जल संरक्षण की गतिविधि कराई गई।

बोरी बंधान से खेतों के कुओ के जल में बढ़ोतरी होगी बोरी बधान के जरिये क्षेत्र के वन्य प्राणियों एवं पालतु पशुओ को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा । जल प्रकृति कि यह अनमोल संपदा है इसे बचाना हम सभी मनुष्यों का दायित्व है । अभियान में नवांकुर संस्था कांता देवी अन्त्योदय सेवा समिति के कार्यक्रम समन्वयक मान सिंह मरकाम ग्रामीण जन , परामर्शदाता संतोष त्रिपाठी व सीएमसीएलडीपी के छात्र अमित श्यामकर शबा अंजुम ,तबस्सुम फातिमा ,नीतू अग्निहोत्री, महाजन सिंह,विशाखा राय ,कान्हा राय, यशोदा राय, , दुर्गा राजपूत, पुष्पा पांडे,,दुर्गेश यादव,सुतकीर्ति महार ,प्राची महार अंजली सोनी ,क्रांति चौधरी , रुक्मणी रैदास आदि उपस्थित रहे।

बदरा में सांस्कृतिक संध्या संपन्न, बच्चों ने बिखेरे कला के रंग

18 वर्षों से सांस्कृतिक शिक्षा का संगठित प्रयास

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। ग्राम बदरा महामाया मंदिर में आयोजित सांध्य सांस्कृतिक संध्या 22 नवम्बर को भव्य रूप से संपन्न हुई। महामाया पंडाल में दोपहर से प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के बच्चों, महिलाओं और युवा कलाकारों ने विविध रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीण कला संस्कृति की झलक पेश की हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों और उत्साह के साथ बच्चों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया, जो पिछले 18 वर्षों से समिति के सचिव नूर मोहम्मद तन्हा के नेतृत्व में बच्चों की सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करती आ रही है।

अतिथियों ने बढ़ाया कार्यक्रम का गौरव

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जमुना कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी। मंच पर विशिष्ट उपस्थिति शोभा सिंह, दिनेश, हरद सरपंच सुरेंद्र सिंह, तितरीपौड़ी सरपंच रामचरण सिंह, निर्णायक मंडल के सदस्य अंकुर सिंह, पंकज, शैलेंद्र विश्वकर्मा, गौरीशंकर बैगा, लाला तिवारी, मनमोहन, राजा राम साहू, अरुण कुमार पाल, गुरु दयाल सिंह, मोहम्मद मोइन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, शिवभान सिंह (सरपंच), बेलाल अहमद, संतोष चौरसिया, संग्राम सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों का शिक्षा के साथ चौमुखी विकास आवश्यक है नई तकनीकें शिक्षा में तेजी से आ रही हैं, इसलिए शिक्षकों को भी निरंतर प्रशिक्षण लेकर स्वयं को अपग्रेड करना चाहिए। उन्होंने बताया कि द्वारा अनूपपुर जिले के 84 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस के लिए सहयोग दिया गया है। पिछले वर्ष बदरा में जलापूर्ति व्यवस्था कराई गई थी, और इस वर्ष भी दो नए विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम मंच निर्माण की सार्वजनिक घोषणा भी की उन्होंने ग्रामीण बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं और खेलों के लिए तैयार होने की प्रेरणा देते हुए कहा। मिनी ब्राजील (विचारपुर, शहडोल) की तरह यहां के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकते हैं मनोबल ऊँचा रखें, सफलता जरूर मिलेगी।

ग्रामवासियों में आयोजन को लेकर उत्साह

सांस्कृतिक संध्या में आसपास के सभी विद्यालयों के बच्चों ने नृत्य, नाटक, गीत और लोक-संस्कृति आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समिति, जनप्रतिनिधि, स्कूल प्रबंधन, ग्रामीण महिलाएँ और युवा पूरे समय आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहे। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों की प्रतिभा निखरती है और समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है।

जाम की समस्या को बढ़ा रहा अव्यवस्थित यातायात

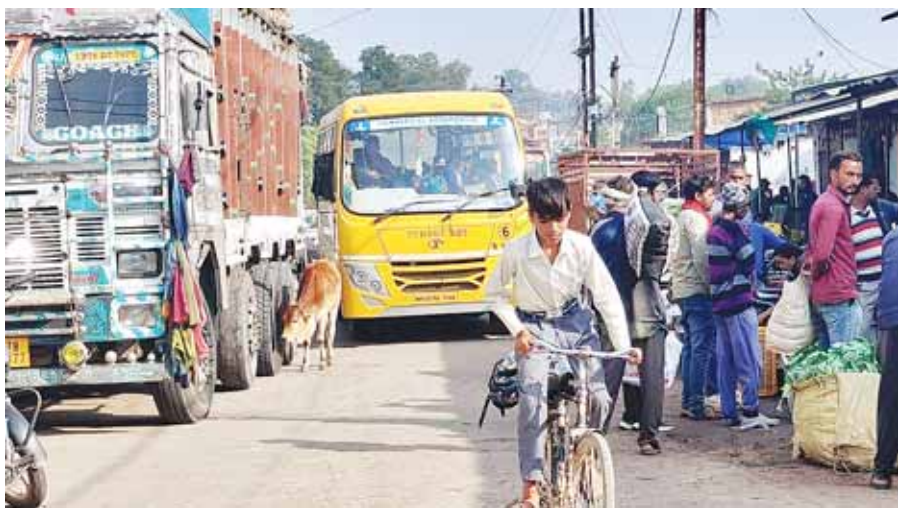

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के आवाम को अव्यवस्थित यातायात होने से जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है वहीं दूसरी ओर यातायात विभाग हाईवे की सड़कों पर वाहन चेकिंग में मशगूल नजर आते हैं। नगर में अव्यवस्थित यातायात होने के कारण प्रतिदिन घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। यह कोई नगर के एक सड़क का हाल नहीं है नगर की विभिन्न सड़कों में यह स्थिति अब आम हो गई है जिसके कारण नागरिक भी अब प्रशासन को कोसते नजर आ रहे हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्तिधाम के पास थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा सड़क के किनारे सब्जी के बोरे पनिया रख देते हैं और सड़क पर ही वहां खड़ा कर आते हुए वाहनों में सब्जी लदवाने का कार्य करवाते हैं दूसरी ओर बड़े वाहनों को सड़क पर ही खडा करवाते हुए सब्जी उतरवाने का कार्य करवाया जाता है और बीच सड़क पर दोपहिया वाहनों का खडा कर दिया जाता है जिसके कारण प्रतिदिन घंटो जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है पैदल चलने वाले राहगीरों को भी आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। जब किसी रास्ते अस्पताल स्कूल एवं नगर पालिका कार्यालय होने के कारण हर समय आवागमन बना रहता है सुबह के समय तो स्थितियां रहती है कि स्कूली बस बच्चों को लाने ले जाने का कार्य करती है जाम की समस्या होने के कारण बस भी प्रतिदिन जाम में फंस जाती है। ऐसा ही हाल शुक्रवार को सुबह देखने को मिला जब सड़क के दोनों ओर सब्जी के वाहन खड़े थे और सड़क पर ही दो पहिया वाहन खड़ा कर दिया गया था और इस समय स्कूली बस बच्चों को स्कूल ले जाने के निकली है जाम में फंस गई। जिले के कप्तान के द्वारा कोतमा नगर में सप्ताह में 2 दिन यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई जाने को निर्देश दिए गए हैं लेकिन यातायात विभाग नगर की सड़कों से नदारत रहते हैं एक और नगर के नागरिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर यातायात विभाग के कर्मचारी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाईवे में वाहनों की चेकिंग में मशगूल नजर आते हैं इन्हें नगर की यातायात व्यवस्था से कोई लेना देना नहीं है अब तो नगर का आवाम जाम की समस्या से निजात पाने के लिए आस लगाए बैठा नजर आ रहा है।

खबर संक्षेप

85 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों की ई-केवाईसी कार्य पूर्ण

कटनी। मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल के निर्देश पर जिले में महात्मा गांधी-नरेगा अंतर्गत पंजीकृत सभी श्रमिकों की ई-केवाईसी मोबाईल ऐप के माध्यम से कराई जा रही है। जिले में पंजीकृत 2 लाख 44 हजार 201 श्रमिकों के विरूद्ध अब तक 85 हजार 39 श्रमिकों की ई-केवाईसी का कार्य पूरा किया जा चुका है। महात्मा गांधी-नरेगा अंतर्गत विकसखंड बड़वारा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 42 हजार 694 श्रमिकों के विरूद्ध अब तक 16 हजार 256 श्रमिकों की ई-केवाईसी का कार्य किया जा चुका है। इसी प्रकार विकासखंड बहोरीबंद अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 45 हजार 701 श्रमिकों के विरूद्ध 10 हजार 158, विकासखंड ढ़ीमरखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 54 हजार 691 श्रमिकों के विरूद्ध 20 हजार 618, विकासखंड कटनी अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 25 हजार 505 श्रमिकों के विरूद्ध 5 हजार 134, विकासखंड रीठी अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 35 हजार 663 श्रमिकों के विरूद्ध अब तक 20 हजार 234 और विकासखंड विजयराघवगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पंजीकृत 39 हजार 947 श्रमिकों के विरूद्ध अब तक 12 हजार 639 श्रमिकों की ई-केवाइसी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष श्रमिकों की ई-केवाईसी का कार्य सचिव, ग्राम रोजगार सहायको एवं ग्राम पंचायतों में पंजीकृत मेटों के द्वारा निरंतर किया जा रहा है। जिसकी समीक्षा वीसी के माध्यम से की जाती है।

नेगाई की सरकारी भूमि से नहीं हट सका अतिक्रमण

सिलौंडी। सिलौंडी से समीपवर्ती ग्राम पंचायत नेगाई में राजस्व विभाग की लगभग 250 एकड़ भूमि शासकीय रिकार्ड में दर्ज है जिसमें चरनोई की भी शामिल है जिसमें ग्राम के लोग कब्जा कर कृषि कर रहे है। शासन की आवश्यक योजनाओं के क्रियावन हेतु जैसे गौशाला , कृषि उपज मण्डी, बस स्टैंड, नर्सरी बनाने भूमि की मांग है। प्रशासन के अनेक बार उच्च अधिकारियों के साथ अतिक्रमण अलग कराने निरीक्षण भी कर लिया। अभी वर्तमान में सरकारी धान खरीदी स्थल पर भी ग्राम के दबंग लोग ने कब्जा कर लिया है। नेगाई के जागरूक लोगों ने वीरासन देवी मंदिर में हुई कलेक्टर जन सुनवाई और जिला स्तर कटनी में कलेक्टर जन सुनवाई में भी नेगाई की सरकारी भूमि से अतिक्रमण अलग कर आवारा पशु की व्यवस्था करने की मांग की थी परंतु अभी तक प्रशासन ने कोई भी करवाई नही किया है ।

महिला आवेदकों के लिए रोजगार मेला 3 दिसंबर को

कटनी। म.प्र.शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में 3 दिसंबर को केवल महिला आवेदिकाओं के लिए निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले द्वारा टाटा इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी कृष्णागिरी तमिलनाडु कम्पनी द्वारा टेक्नीकल ऑपरेटर, क्वालिटी इंस्पेक्टर, मोबाईल एसेम्बलर, एसेमबिल आपरेटर पदों पर भर्ती की जायेगी। जिला रोजगार अधिकारी डीके पासी ने बताया कि 18 से 30 साल की आयु सीमा की 10वीं पास, 12 वी आईटीआई (किसी भी ट्रेड से) डिप्लोमा, स्नातक स्नातकोत्तर उत्तीर्ण महिलायें जिन्हें इंगलिश पढ़ना एवं लिखना आता हो आवेदन के लिये पात्र है। कार्यस्थल बैंगलोर से 25 किमी दूर रहेगा। चयनित आवेदिकाओं के लिये कंपनी में कार्य की अवधि 8 घन्टे (कार्य 3 शिप्ट में होता है रविवार अवकाश रहेगा) एवं साल में 30 दिन का अवकाश रहेगा। वेतन के रूप में 19 हजार 143 रूपये फन्ड एवं बीमा कटौती के बाद 14 हजार 485 रुपये दिया जायेगा। साथ ही पीएफ, ईएसआईसी, फ्री भोजन एवं रहने की व्यवस्था, फ्री टान्सपोटेशन एवं बीमा बैंगलोर जाने के लिए टिकट फ्री चयन के बाद सुविधा दी जावेगी। महिला आवेदक अंकसूची, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, 4 पासपोर्ट साईज के साथ रोजगार कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पंजीयन 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक कार्यालयीन समय में करा सकती हैं। साक्षात्कार 3 दिसंबर को जिला रोजगार कार्यालय में 11 से शाम 3 बजे तक होगा।

खो खो ट्रायल प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

चयनित टीम प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में होगी शामिल

बुढ़ार।

कुशा भाऊ ठाकरे स्टेडियम में रविवार को 44 वीं जूनियर (अंडर 18) खो- खो प्रतियोगिता 31 दिसंबर से 04 जनवरी 2026 तक बैंगलोर में खेली जानी है, जिसके लिए मध्य प्रदेश खो -खो एसोसिएशन द्वारा राज्य स्तरीय 23 नवम्बर 25 को कुशा भाऊ ठाकरे स्टेडियम खेल मैदान में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों का चयन किया गया।जिसमें शहडोल संभाग के अनूपपुर, उमरिया, बुढार, पाली, ब्यौहारी, अमरकंटक, क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने चयन में भाग लिया चयनित खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता जबलपुर में भाग लेंगे खिलाड़ियों के ट्रायल प्रतियोगिता खो -खो प्रतियोगिता का आयोजन दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होना लगभग सुनिश्चित किया गया है।

चयनित सभी खिलाड़ी अभ्यास करके अपने खेल का अच्छा प्रदर्शन कर चयन होकर पहले शहडोल टीम फिर मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे { खिलाड़ी का इंडेक्स —— हाई ट+ वेट+आयु=248 } राज्य स्तरीय खो -खो प्रतियोगिता के लिए शहडोल जिले के ट्रायल दिनांक 23 नवम्बर को किया गया।

टीम में प्रवेश लेने के लिये शहडोल जिले के मुख्य प्रशिक्षकमो. इमरान खान 6262535201से संपर्क कर सकते हैं।

खो खो ट्रायल प्रतियोगिता कार्यक्रम में बुढार थाने में पदस्थ महिला सब इंस्पेक्टर शोभा नामदेव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग शहडोल ब्लॉक कोऑर्डिनेटर बुढार रजनी मेश्राम,जयसिंहनगर कोऑर्डिनेटर सोनू नामदेव,पत्रकार आशीष नामदेव सभी अतिथियों के उपस्थिति में या ट्रायल किया गया। जिला खो-खो संघ शहडोल मुख्य कोच इमरान खान द्वारा खो खो का ट्रायल लिया।

कार्यकर्ता आम जन और बूथ के बीच सेतु का काम करें: राधा तिवारी

बिरसिंहपुर पाली

भारतीय जनता पार्टी की मंडल अध्यक्ष श्री मती राधा तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि प्रदेश भर में चल रही एस आई आर कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकत्ताओं से आग्रह किया है की सभी कार्यकर्ता मतदाता गहन पुर्ननरीक्षण कार्यक्रम में बढ़ चढ कर भाग ले और बूथ पर बी एल ओ , अधिकारियों और आमजन के बीच सेतु बनकर हर एक मतदाता का नाम जुडवाने में मददगार बने। श्रीमती तिवारी ने बताया कि इसके लिए जिन कार्यकर्ताओं को विधिवत पिछले दिनों कार्यशाला आयोजित कर मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण (एस आई आर) कार्यक्रम को सफल क्रियांवयन बनाने के उदेश्य कार्यशाला में प्रशिक्षित किया गया है। सभी प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि एक भी सही मतदाता का नाम छुटने न पाये। आपने यह भी कहा की इस दौरान मतदाताओं को असुविधा न उत्पन्न हो इसके लिए आप भाजपा का हर कार्यकर्ता प्रण प्राण से जुट जाये। मतदाता विशेष गहन अभियान में इस कार्यक्रम में जुड़े बी एल ओ और अन्य अधिकारियों के बीच समाजस्य बनाते इस कार्यक्रम को सफल बनाये।

महिला जनप्रतिनिधियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण संस्थान जबलपुर द्वारा आयोजित जनपद पंचायत बड़वारा के सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रभावती तेकाम के निर्देशन में महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए 'बदलाव का नेतृत्व' शीर्षक से तीन दिवसीय नेतृत्व व क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की जनप्रतिनिधि महिलाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करना, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना तथा सरकारी योजनाओं को सुलभ उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर श्रीमती बबीता सिंह और जया कोष्ठी ने प्रतिभागी महिलाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने महिलाओं को स्वयं-रोजगार के अवसर, स्वयं सहायता समूहों के गठन के लाभ, वित्तीय साक्षरता, कानूनी अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण, तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के तरीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षकों ने यह भी बताया कि सब के माध्यम से महिलाएं कैसे संगठित होकर आर्थिक रूप से सक्षम बन सकती हैं और अपने परिवार की आय में वृद्धि कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को प्रेरित किया गया कि वे पंचायत व समुदाय स्तर पर अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए सामाजिक बदलाव का नेतृत्व करें।

दामाद ने सास के साथ की मारपीट

आरोपी को पुलिस ने लिया हिरासत में

बुढ़ार।

थाना क्षेत्रांतर्गत कुदरा टोला मामूली बात को लेकर दामाद ने अपनी सास के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा जिसकी सूचना पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की गंभीरता को अपने संज्ञान में लेते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 716/25 के आरोपी बुद्धू बैग पिता लोदी बैगा उम्र 35 साल निवासी ग्राम कुदरा टोला धनपुरा का को चंद्र घंटे में गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक राजा भैया बागरी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह आरक्षक हरिकिशन का सराहनीय सहयोग रहा।

मत्स्य पालकों को उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी ने मत्स्य पालन हेतु उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने और मत्स्य कृषकों को मछुआ क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर विश्व मात्स्यिकी दिवस पर मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य बीज प्रक्षेत्र सुरखी पौड़ी में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कहीं। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार भी मौजूद रही। कलेक्टर श्री तिवारी ने मत्स्य उत्पादन से संबंधित संरचनाओं एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी लेते हुए मत्स्य पालकों को उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने मत्स्य विभाग को निर्देशित किया। साथ ही मत्स्य कृषकों के द्वारा मछुआ क्रेडिट कार्ड संबंधी समस्या बताने पर कलेक्टर ने शीघ्र ही क्रेडिट कार्ड वितरित कराने मत्स्य पालकों को आश्वस्त किया। कलेक्टर श्री तिवारी ने मत्स्य पालक कृषकों की समस्या को निराकृत करते हुए अधिक उत्पादन एवं आर्थिक सुदृढीकरण हेतु प्रेरित किया गया।

कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा ग्राम खडौली के खूब सिंह को पौंड बायोप्लाक्स निर्माण हेतु स्वीकृति आदेश प्रदान किया और जिले में अच्छा कार्य करने के लिए आदर्श मछुआ सहकारी समिति को भी पुरस्कृत किया गया। कलेक्टर ने ग्राम बरगवां के कोमल सिंह व ग्राम कैलवारा खुर्द के दशरथ बर्मन ग्राम चरगवां के महीपा बसोर एवं चम्मू बर्मन को मछुआ क्रेडिट कार्ड

बेटे की सतर्कता एवं दोस्तों की तत्परता से ठगी होने से बचे दंपत्ति

साइबर जालसाजों ने डाक्टर दंपत्ति को डेढ़ घंटे तक फंसाये रखा, ठगी से बचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

साइबर अपराधों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने वृहद अभियान चलाया जा रहा है इसके इतर साइबर जालसाज भी नित नये हथकंडे ईजाद कर लोगों को झांसे में लेकर ठगी कर रहे हैं। शहर के आजाद चौक गाटरघाट निवासी डॉ. हजारीलाल गुप्ता और उनकी को शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ घंटे तक साइबर अपराधियों के जाल में फंसे रहे। खुद को एनआईए और दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताने वाले साइबर ठगों ने डॉक्टर को यह कहकर डराया कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए हालिया बम विस्फोट में उनके नाम से खरीदी गई SIM कार्ड का दुरुपयोग हुआ है और वे अब आतंकवाद से जुड़े गंभीर मामले में फंस चुके हैं।

अपराधियों ने डॉक्टर दंपत्ति को मानसिक रूप से इतना डरा-धमका दिया कि उन्होंने घर का कमरा अंदर से बंद कर लिया और किसी से बात तक नहीं कर पाए। पूरी अवधि के दौरान वे अपराधियों के वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट में रहे।

डॉ. गुप्ता के मोबाइल पर नंबर 6913516533 से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम इंस्पेक्टर कुशल सिंह बताते हुए कहा कि वे "ट्रस्ट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी" दिल्ली से बोल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ दिन पहले हुए बम विस्फोट में पकड़े गए आरोपी डॉ. अमर अल्वी के ठिकाने से जो 140 संदिग्धों की सूची मिली है, उसमें डॉ. गुप्ता का नाम भी है। उन्होंने कहा आपके नाम की सिम का आतंकियों ने दुरुपयोग किया है। यह सिम मुंबई बांद्रा की एक दुकान से खरीदी गई है। यदि आप सहयोग नहीं करेंगे तो आपको जेल जाना पड़ेगा। इसके बाद ठग ने उनका पूरा पता, परिवार में कौन-कौन हैं, यह जानकारी लेकर तुरंत कमरे में बंद होने का दबाव बनाया। कुछ ही मिनट बाद डॉक्टर को नंबर 9332893852 से वीडियो कॉल आया। कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने स्वयं को "वरिष्ठ अधिकारी" बताया और कहा कि उन्हें बचाने के लिए "एनआईसी से सुरक्षा प्रमाणपत्र" बनाना होगा, जिसके लिए उनके बैंक खातों और आधार कार्ड की जानकारी आवश्यक है। डर में डॉक्टर ने एक बैंक खाते में 10 लाख रुपये होने की जानकारी दे दी। आधार कार्ड का विवरण भी साझा कर दिया। इसके बाद ठग उनके मोबाइल पर आने वाले ओटीपी मांगने लगे।

इसी दौरान डॉक्टर के बेटे का फोन आया। बातचीत के दौरान बेटे ने मां की घबराहट को महसूस किया और तुरंत कटनी में रहने वाले अपने परिचित अभय त्रिसोलिया और अन्य दोस्तों को घर भेजा। लोग जब घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। बहुत देर तक आवाज देने और दरवाजा पीटने के बाद डॉ. गुप्ता ने दरवाजा खोला। अभय त्रिसोलिया ने तुरंत डॉक्टर के हाथ से फोन लेकर कॉल बंद किया और मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। इसी कदम से लाखों की संभावित साइबर लूट टल गई। घटना के बाद डॉक्टर दंपत्ति गहन सदमे में हैं। उन्होंने पूरी घटना की लिखित शिकायत साइबर सेल में दर्ज कराई।

जिले के किसानों को ज़रूरत के मुताबिक मिलेगी पर्याप्त खाद

जिले के लिए नीम कोटेड 1652 मीट्रिक टन यूरिया की दो और रैक पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से वर्तमान में रबी फसलों के लिए सर्वाधिक मांग वाली उर्वरक यूरिया खाद की दो और रैक झुकेही रैक प्वाइंट पर आ गई है। इससे कटनी जिले को 1652 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया मिली है। इसके पूर्व यूरिया और एनपीके खाद की 4 रैक 12 नवंबर को झुकेही रैक प्वाइंट पर आई थी। इससे 2690 मीट्रिक टन यूरिया और 1550 मीट्रिक टन एनीपीके सहित कुल 4240 मीट्रिक टन उर्वरक कटनी को मिली थी।

झुकेही रैक पाइंट से परिवहन कर यूरिया जिले में लाई जा रही है। जिले में यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को खाद वितरण केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने, किसानों से संवाद करने और पीओएस मशीन में उर्वरक स्टॉक की उपलब्धता देखकर इसका भौतिक सत्यापन अवश्य करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी है कि उर्वरक वितरण व्यवस्था पर पैनी नजर रखें ताकि किसानों को सहजता से खाद मिल सके।

उपसंचालक कृषि ने बताया कि रैक से आई नीम कोटेड यूरिया में से कटनी डबल लॉक केन्द्र के लिए 362 मीट्रिक टन, बहोरीबंद डबल लॉक केन्द्र के लिए 210 मीट्रिक टन तथा मझगवां बड़वारा डबल लॉक केन्द्र के लिए 120 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया उर्वरक आवंटित की जायेगी। जबकि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी को 450 मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित की जायेगी।

इसी प्रकार सीएमएस मार्केटिंग सोसायटी कटनी और सीएमएस उमरियापान-ढीमरखेड़ा को 55-55 मीट्रिक टन यूरिया, सीएमएस रीठी, सीएमएस बड़वारा, प्रियदर्शनी विपणन विजयराघवगढ़, सीएमएस बाकल, सीएमएस स्लीमनाबाद और सीएमएस ढीमरखेड़ा को 50-50 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जायेगी। इसके अलावा एमपी एग्रो कटनी को 100 मीट्रिक टन खाद आवंटित की जायेगी। जिससे यहां के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उनकी जरूरत के मुताबिक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

कलेक्टर ने किसानों से आग्रह किया है कि वे खाद एवं बीज से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या और शिकायत संबंधी सूचना कलेक्ट्रेट कार्यालय में बने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के टेलीफोन नम्बर 07622-220070 एवं 07622-220071 पर दे सकते हैं।

धान उपार्जन के दौरान तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु टेक्नीकल सपोर्ट ग्रुप गठित

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिये जिला स्तर पर धान उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी ने टेक्नीकल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया है। जारी आदेश के अनुसार गठित टेक्नीकल सपोर्ट ग्रुप में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सहायक आपूर्ति अधिकारी पियूष कुमार शुक्ल, खाद्य विभाग के ऑपरेटर सूर्य प्रताप बागड़े व शुभम पाठक व एमपीएससीएससी ऑपरेटर शेखर श्रीवास्तव को शामिल किया गया है। यह दल जिला स्तर पर धान उपार्जन में आने वाले तकनीकी समस्याओं का समाधान व निराकरण करेगा।

गौ सेवा एवं सर्प सेवा में उत्कृष्ट कार्य पर सतीश सोनी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

भाजपा द्वारा घंटाघर में आयोजित कार्यक्रम में खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा, विधायक संदीप जयसवाल, जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, राम रतन पायल, पार्षद सोनू बहरे, आशीष गुप्ता की उपस्थिति में गौसेवा, मानव सेवा एवं सर्प सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए माँ लक्ष्मी गौसेवा समिति को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हमारी संस्था से जुड़े हुए सभी सदस्यों का है, जिन्होंने सामाजिक कार्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवाये दी है। हम सभी को इस सम्मान के लिए बहुत-बहुत बधाई। भविष्य में भी हमारी संस्था के द्वारा ऐसे ही मानव सेवा, पशु सेवा एवं अन्य सामाजिक सेवा का कार्य हम सभी के सहयोग से निरंतर जारी रहेगा।

खेल महोत्सव का शुभारंभ 25 नवंबर से होगा युवाओं में छिपी प्रतिभा को उभारना है उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खजुराहो–कटनी लोकसभा के सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कटनी पहुँचकर 25 नवंबर से प्रारम्भ होने वाले सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने महोत्सव के शुभारंभ स्थल दीनदयाल खेल परिसर का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक टण्डन, विधायक संदीप जायसवाल, महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक सहित भाजपा पदाधिकारियों व अधिकारियों की उपस्थिति रही।

निरीक्षण के बाद श्री शर्मा ने खेलों से जुड़े खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा आयोजन समिति से मुलाकात की। उन्होंने खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को उभारना इस महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि यह महोत्सव लगभग एक माह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न खेल स्पर्धाएँ आयोजित की जाएँगी और सभी आयु वर्ग के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकेंगे। सांसद ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल खिलाड़ियों को मंच प्रदान करते हैं बल्कि स्वस्थ प्रतियोगिता, अनुशासन और टीम भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

सांसद शर्मा ने बताया कि शहर में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 25 नवंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय खेल परिसर(फारेस्टर प्ले ग्राउंड) में धूमधाम से होगा तथा इसका समापन पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिन 25 दिसंबर को होगा। सांसद ने बताया खजुराहो-कटनी संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव को शुभारंभ कटनी में होगा तथा सेमीफाइनल खजुराहों में और फाइनल पन्ना में होगा। सांसद खेल महोत्सव ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक स्तर और लोकसभा क्षेत्र स्तर तक आयोजित किया जा रहा है।

उमरिया में बढ़ती आर्थिक विषमता का नया चेहरा

गरीबी रेखा कार्ड में भारी गड़बड़ी प्रशासन की निगरानी पर उठे सवाल

उमरिया। जिले में गरीबी रेखा और पात्रता पर्ची से जुड़े मामलों में अनियमितताओं का ऐसा सिलसिला सामने आ रहा है जिसने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। शासन जहां हर वर्ष अपने बजट में गरीबी घटने और समृद्धि बढने का दावा करता है, वहीं जमीनी हालात इसके बिल्कुल उलट तस्वीर पेश कर रहे हैं। उमरिया जिले में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से सक्षम लोग स्वयं को गरीब बताकर सरकारी हितग्राही योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवार अब भी पात्रता से वंचित हैं।

कागजों में गरीब लाखों की संपत्ति के मालिक

ग्रामीण अंचलों में ऐसे कई मामले प्रकाश में आए हैं, जहां पक्के मकान, चारपहिया वाहन और स्थायी आय वाले परिवारों ने गलत जानकारी देकर गरीबी रेखा कार्ड बनवा लिए हैं। इन कार्डों की बदौलत वे सस्ते राशन से लेकर आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। दूसरी ओर, ऐसे अनेक पात्र हितग्राही हैं जिन्हें वर्षों से राशन कार्ड बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जरूरतमंद परिवार तो निराश होकर प्रयास ही छोड़ चुके हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि वास्तविक आर्थिक स्थिति की जांच में भारी लापरवाही बरती जा रही है। आवेदनकर्ता के मकान, आय, नौकरी, वाहन और संपत्ति की स्पष्ट जानकारी मौजूद होने के बावजूद जांच अधिकारी आंख मूंदकर कार्ड जारी कर देते हैं। वहीं, गरीब परिवारों की फाइलें छोटी-छोटी त्रुटियों का हवाला देकर निरस्त कर दी जाती हैं।

सरकारी कर्मचारी भी शामिल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अनेक सरकारी कर्मचारी भी गलत विवरण देकर बीपीएल कार्ड बनवाने में सफल रहे हैं। ये वही कर्मचारी हैं जो नियमों को भलीभांति जानते हैं। इनके पास स्थायी आय, नौकरी और संपत्ति होते हुए भी वे गरीबों के लिए बनी योजनाओं का वर्षों से लाभ ले रहे हैं। ऐसे कर्मचारी प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस योजना, आयुष्मान कार्ड, एक रुपये किलो चावल और यहां तक कि क्रञ्जश्व (राइट टू एजुकेशन) जैसे महत्वपूर्ण लाभ भी उठा रहे हैं। इस गैरकानूनी लाभ का असर सीधे वास्तविक पात्र गरीब परिवारों पर पड़ता है। जिनके नाम पर योजनाएं चलनी चाहिए, वहीं परिवार दो वक्त के भोजन और बच्चों की पढ़ाई तक के लिए संघर्ष कर रहा है।

शिक्षा योजनाओं पर भी अमीरों का कब्जा

जिले में आरटीई योजना, जो गरीब परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा देने के लिए बनाई गई थी, वह भी अपात्रों की मनमानी का शिकार हो रही है। ऐसे परिवार जिनके पास पक्के मकान, निजी वाहन और स्थायी नौकरी है, वे झूठे गरीबी कार्ड के आधार पर अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिला रहे हैं। नतीजतन, असली जरूरतमंद परिवार आवेदन भरते रह जाते हैं, जबकि सीटें अपात्रों से भर जाती हैं।

सवालों के घेरे में निरीक्षण अधिकारी

राशन कार्ड जारी होने से पहले की जाने वाली जांच ही इस पूरे तंत्र की सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही है। कई मामलों में जांच अधिकारी आवेदनकर्ता के घर पहुँचकर वास्तविक परिस्थितियों का निरीक्षण करने के बावजूद लापरवाही बरतते हैं। अपात्रों के पक्के मकान, व्यवसाय या नौकरी को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि गरीब आवेदकों की फ़ाइलें मामूली अभावों के कारण खारिज कर दी जाती हैं। इसका सीधा लाभ उन लोगों को मिलता है जो आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद गरीबी का हवाला देकर सरकारी अनाज और सुविधाएँ हथिया रहे हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर जनता में रोष

सवाल यह है कि जिले का प्रशासन कब तक इस संवेदनशील मुद्दे पर मौन रहेगा? खाद्य सुरक्षा सूची में अपात्र लोगों की बढ़ती संख्या न केवल सरकारी संसाधनों का नुकसान कर रही है, बल्कि गरीब वर्ग को मिलने वाले हक़ पर भी डाका डाल रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन सही तरीके से सत्यापन करवाए, तो सैकड़ों अपात्र नाम सूची से बाहर हो जाएंगे और खाद्यान्न वितरण में पर्याप्त सुधार आएगा। अब जिले की निगाहें संवेदनशील जिला कलेक्टर पर टिकी हैं। जनता की अपेक्षा है कि वे इस गंभीर समस्या की वस्तुस्थिति को समझते हुए बड़े पैमाने पर जांच शुरू करें और अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि असली गरीबों को उनका हक मिल सके।

इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म: मो. असलम शेर

हिंदू-मुस्लिम एकता मंच का मानवता अभियान शुरू

सर्द रातों में बेसहारा लोगों तक पहुँचाए जा रहे कम्बल

उमरिया। बढ़ती ठंड के बीच मानवता की मिसाल बने हिंदू-मुस्लिम एकता मंच ने इस वर्ष भी अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों के लिए कम्बल वितरण अभियान शुरू कर दिया है। जिले में तापमान लगातार गिर रहा है और ऐसे में फुटपाथों, झुग्गियों और असुरक्षित स्थलों पर रहने वाले लोग ठंड की मार झेलने को मजबूर हैं। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मंच ने एक बार फिर समाज सेवा का दायित्व निभाते हुए गरीब, वृद्ध, महिला, दिव्यांग और असहाय लोगों को कम्बल उपलब्ध कराना शुरू किया है। मंच की टीम द्वारा शहर की गलियों, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, मलिन बस्तियों तथा आसपास के गांवों में जाकर उन लोगों को चिन्हित किया गया जो भीषण ठंड में बिना पर्याप्त कपड़ों के रह रहे हैं। रात के समय टीम ने कई स्थानों पर भ्रमण कर ऐसे लोगों तक कम्बल पहुँचाए, जो सहायता माँगने की स्थिति में भी नहीं होते। मंच के सदस्यों का कहना है कि यह अभियान केवल एक-दो दिन का नहीं, बल्कि पूरी सर्दी भर लगातार जारी रहेगा।

हमारी पहचान सिर्फ मानवता

कार्यक्रम के दौरान मंच के संस्थापक मो. असलम शेर ने कहा कि मंच की सोच किसी धर्म, जाति या वर्ग से ऊपर है। उन्होंने कहा जो व्यक्ति ठंड में ठिठुर रहा है, उसका कोई धर्म नहीं होता, वह हमारे समाज की जिम्मेदारी होता है। हिंदू-मुस्लिम एकता मंच मानवता को सर्वोपरि मानता है। हमारा उद्देश्य कम्बल बांटना ही नहीं, बल्कि समाज में यह संदेश देना है कि सहयोग किसी धर्म का नहीं, बल्कि सभी का कर्तव्य है। असलम शेर ने मंच के युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि सर्दी की हर रात टीम जरूरतमंदों की खोज में रहती है ताकि कोई भी बेसहारा व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में उपयोग किए जा रहे कम्बल समाजसेवियों, स्थानीय दानदाताओं और मंच सदस्यों के सहयोग से उपलब्ध कराए गए हैं।

सर्दी भर चलेगा सेवा का संकल्प

मंच के संयोजक राजेंद्र कोल ने बताया कि इस बार अभियान का दायरा पहले से अधिक बड़ा रखा गया है। उन्होंने कहा कि मंच ने जिले के सभी ब्लॉकों, ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग टीमें गठित की हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में रात के समय गश्त कर जरूरतमंद लोगों तक कम्बल पहुंचाएगी। उन्होंने कहा हमारा संकल्प है कि इस सर्दी में उमरिया जिले का कोई भी वृद्ध, दिव्यांग, महिला या गरीब व्यक्ति ठंड से परेशान न रहे। यदि किसी स्थान पर कोई जरूरतमंद दिखता है, तो हमारी टीम तुरंत पहुंचेगी। राजेंद्र कोल ने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जो भी नागरिक सामग्री या आर्थिक रूप से मदद करना चाहता है, मंच उसे पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करेगा और उनका आभार प्रकट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाज के कई युवा इस अभियान से जुड़े हैं और यह बढ़ती संवेदनशीलता जिले के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम में मो. अल्ताफ, अब्दुल साबित, कृष्णकांत तिवारी, मो. मंसूर, हनीफ खान, आकाश द्विवेदी, अम्बर शुक्ला, सरताज शाह सहित मंच के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सर्दी के बढ़ते प्रकोप के बीच हिंदू-मुस्लिम एकता मंच का यह अभियान न केवल राहत पहुँचा रहा है, बल्कि जिले में एकता, भाईचारे और मानवता की मजबूत मिसाल भी पेश कर रहा है।

प्रभारी कलेक्टर ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

उमरिया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं और एप पर उपलब्ध लिंक पर मतदाता विवरण अद्यतन कर रहे हैं। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने मतदान केंद्र क्रमांक 163, मतदान केंद्र क्रमांक 158 तथा मतदान केंद्र क्रमांक 159 मे चल रहे एसआई कार्य का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र क्रमांक 163 में एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 71 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया। इसी तरह मतदान केंद्र क्रमांक 158 मे एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया। इसी प्रकार मतदान केंद्र क्रमांक 159 मे एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण होना पाया गया।

प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने बीएलओ को निर्देशित किया कि समय सीमा में एसआईआर डिजिटाईजेशन का कार्य करना सुनिश्चित करें । इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा , मतदान केंद्र क्रमांक 163 के बीएलओ राजेंद्र रैदास, 158 मतदान केंद्र के बीएलओ कल्लू प्रसाद बैगा तथा 159 मतदान केंद्र के बीएलओ श्रेयांश सिंह, वालेटिंयर रावेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

विदित हो कि घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप (ड्राप्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

गोण्ड सभ्यता के जननायकों पर केंद्रित तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ

पहले दिन 'राजा पेमलशाह' पर आधारित नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

उमरिया। शासकीय कॉलरी स्कूल मैदान में शुक्रवार शाम गोण्ड सभ्यता के गौरवशाली इतिहास और जननायकों पर आधारित तीन दिवसीय सांस्कृतिक श्रृंखला का भव्य आगाज हुआ। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ बांधवगढ विधायक शिवनारायण सिंह एवं प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम 22 से 24 नवंबर तक प्रतिदिन सांस्कृतिक विविधताओं से सराबोर प्रस्तुतियों के साथ आयोजित किया जाएगा।

उद्घाटन के बाद मंच पर राजा पेमलशाह के जीवन, संघर्ष और पराक्रम पर आधारित विशद नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के सधे हुए नृत्य, संवादों और सजीव अभिनय ने वातावरण को अद्भुत बना दिया। मंचन समाप्त होते ही दर्शकों ने तालियों की गडगड़ाहट से कलाकारों का स्वागत किया। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन रामचंद्र सिंह ने किया, जबकि संगीत संयोजन मिलिन्द्र त्रिवेदी द्वारा किया गया।

नृत्य-नाटिका में दर्शाया गया कि ब्रह्मा द्वारा सृष्टि निर्माण के बाद जब मानव समाज के संचालन और भरण-पोषण की जिम्मेदारी तय की गई, तो ब्राह्मणों ने पूजा-अर्चना का दायित्व स्वीकार किया, जबकि क्षत्रियों ने यह कहकर जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया कि वे युद्धकर्म में प्रवृत्त रहेंगे। अंततः जब ब्रह्मा ने गोण्ड समुदाय को यह दायित्व सौंपा तो उन्होंने बिना हिचक इसे स्वीकार कर लिया। कथा के अनुसार कालांतर में गोण्ड जाति में श्रेष्ठता सिद्ध करने की आपसी प्रतिस्पर्धा बढने लगी, जिसके चलते सामाजिक अव्यवस्था पैदा हो गई। तब ब्रह्मा ने संकल्प लिया कि समुदाय में एक नेतृत्वकर्ता की स्थापना की जाए।

नाट्य प्रस्तुति में दर्शाया गया कि देवताओं द्वारा की गई मंथन प्रक्रिया से सात कोरी देवता निर्मित होते हैं, जिनके माध्यम से एक विशिष्ट योद्धा-पुरुष उत्पन्न होता है। ब्रह्मा उसे गोण्डों का राजा घोषित करते हैं। इसी वंश परंपरा से शक्तिशाली और पराक्रमी राजा पेमलशाह का जन्म माना जाता है। कथा में राजा पेमलशाह के चार वीर भाई—शंकर शाह, दलपत शाह, बुढन शाह और दूधन शाह—का उल्लेख भी प्रमुखता से किया गया। नृत्य-नाटिका में यह भी चित्रित किया गया कि प्राकृतिक आपदाओं से राजा पेमलशाह का राज्य बुरी तरह प्रभावित होता है और प्रजा भूखमरी का सामना करने लगती है। ऐसी कठिन परिस्थिति में पेमलशाह धैर्य नहीं खोते। वे स्वयं खेती-बाड़ी करते हैं, जनता को संगठित करते हैं और अपने प्रयासों से राज्य में पुनः खुशहाली स्थापित कर देते हैं। उनकी कर्मठता और प्रजापालक नीति की जानकारी दिल्ली में बैठे रूम बादशाह तक पहुंचती है, जो पेमलशाह की योग्यता से प्रभावित होकर उन्हें गढ़ मंडला और चौरा दादर की उन्नति का दायित्व सौंपता है। नाट्य मंचन में दिखाया गया कि पेमलशाह अपने परिवार के वृद्ध देव और पैतृक आराध्यों का आह्वान कर चौरा दादर और गढ़ मंडला को पुनः आबाद और समृद्ध बना देते हैं। इस प्रसंग को कलाकारों ने बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में नागरिक, युवा और सांस्कृतिक प्रेमी मौजूद रहे। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक अमन दुबे सहित कई अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पहले दिन मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बाद आयोजकों को उम्मीद है कि शेष दो दिनों में गोण्ड सभ्यता की अन्य ऐतिहासिक गाथाओं को देखने दर्शकों की भीड़ और बढ़ेगी।

जनभागीदारी से ग्राम गिंजरी में किया गया बोरी बंधान

उमरिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला के निर्देश पर जिले के कई स्थानों में जल संचय अभियान किया जा रहा है । मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र/छात्रों व नवांकुर संस्था कांता देवी अन्त्योदय सेवा समिति द्वारा संयुक्त रूप से विकासखंड करकेली के सेक्टर 2 निगहरी के ग्राम गिंजरी में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु 50 बोरीयों का बोरी बंधान कार्य संपादित किया गया।

बोरी बंधान का उददेश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, भू-जल स्तर के संवर्धन एवं जनसहभागिता से स्थानीय जल प्रबंधन को सुदृढ़ करना रहा। जल संचयन अभियान के अन्तर्गत जनभागीदारी के द्वारा बोरी बन्धान बनाकर बहते पानी को रोका गया । संरक्षित जल का उपयोग ग्राम के किसान वर्तमान समय में रबि की फसल की सिंचाई हेतु उपयोग में लाया जाएगा जिससे ग्राम की भूमि हरी भरी एवं कृषि उपज का विकास होगा इस उद्देश्य को लेकर ग्राम में जल संरक्षण की गतिविधि कराई गई।

बोरी बंधान से खेतों के कुओ के जल में बढ़ोतरी होगी बोरी बधान के जरिये क्षेत्र के वन्य प्राणियों एवं पालतु पशुओ को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा । जल प्रकृति कि यह अनमोल संपदा है इसे बचाना हम सभी मनुष्यों का दायित्व है । अभियान में नवांकुर संस्था कांता देवी अन्त्योदय सेवा समिति के कार्यक्रम समन्वयक मान सिंह मरकाम ग्रामीण जन , परामर्शदाता संतोष त्रिपाठी व सीएमसीएलडीपी के छात्र अमित श्यामकर शबा अंजुम ,तबस्सुम फातिमा ,नीतू अग्निहोत्री, महाजन सिंह,विशाखा राय ,कान्हा राय, यशोदा राय, , दुर्गा राजपूत, पुष्पा पांडे,,दुर्गेश यादव,सुतकीर्ति महार ,प्राची महार अंजली सोनी ,क्रांति चौधरी , रुक्मणी रैदास आदि उपस्थित रहे।

बदरा में सांस्कृतिक संध्या संपन्न, बच्चों ने बिखेरे कला के रंग

18 वर्षों से सांस्कृतिक शिक्षा का संगठित प्रयास

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। ग्राम बदरा महामाया मंदिर में आयोजित सांध्य सांस्कृतिक संध्या 22 नवम्बर को भव्य रूप से संपन्न हुई। महामाया पंडाल में दोपहर से प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के बच्चों, महिलाओं और युवा कलाकारों ने विविध रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीण कला संस्कृति की झलक पेश की हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों और उत्साह के साथ बच्चों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया, जो पिछले 18 वर्षों से समिति के सचिव नूर मोहम्मद तन्हा के नेतृत्व में बच्चों की सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करती आ रही है।

अतिथियों ने बढ़ाया कार्यक्रम का गौरव

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जमुना कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी। मंच पर विशिष्ट उपस्थिति शोभा सिंह, दिनेश, हरद सरपंच सुरेंद्र सिंह, तितरीपौड़ी सरपंच रामचरण सिंह, निर्णायक मंडल के सदस्य अंकुर सिंह, पंकज, शैलेंद्र विश्वकर्मा, गौरीशंकर बैगा, लाला तिवारी, मनमोहन, राजा राम साहू, अरुण कुमार पाल, गुरु दयाल सिंह, मोहम्मद मोइन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, शिवभान सिंह (सरपंच), बेलाल अहमद, संतोष चौरसिया, संग्राम सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों का शिक्षा के साथ चौमुखी विकास आवश्यक है नई तकनीकें शिक्षा में तेजी से आ रही हैं, इसलिए शिक्षकों को भी निरंतर प्रशिक्षण लेकर स्वयं को अपग्रेड करना चाहिए। उन्होंने बताया कि द्वारा अनूपपुर जिले के 84 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस के लिए सहयोग दिया गया है। पिछले वर्ष बदरा में जलापूर्ति व्यवस्था कराई गई थी, और इस वर्ष भी दो नए विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम मंच निर्माण की सार्वजनिक घोषणा भी की उन्होंने ग्रामीण बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं और खेलों के लिए तैयार होने की प्रेरणा देते हुए कहा। मिनी ब्राज़ील (विचारपुर, शहडोल) की तरह यहां के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकते हैं मनोबल ऊँचा रखें, सफलता जरूर मिलेगी।

ग्रामवासियों में आयोजन को लेकर उत्साह

सांस्कृतिक संध्या में आसपास के सभी विद्यालयों के बच्चों ने नृत्य, नाटक, गीत और लोक-संस्कृति आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समिति, जनप्रतिनिधि, स्कूल प्रबंधन, ग्रामीण महिलाएँ और युवा पूरे समय आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहे। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों की प्रतिभा निखरती है और समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है।

जाम की समस्या को बढ़ा रहा अव्यवस्थित यातायात

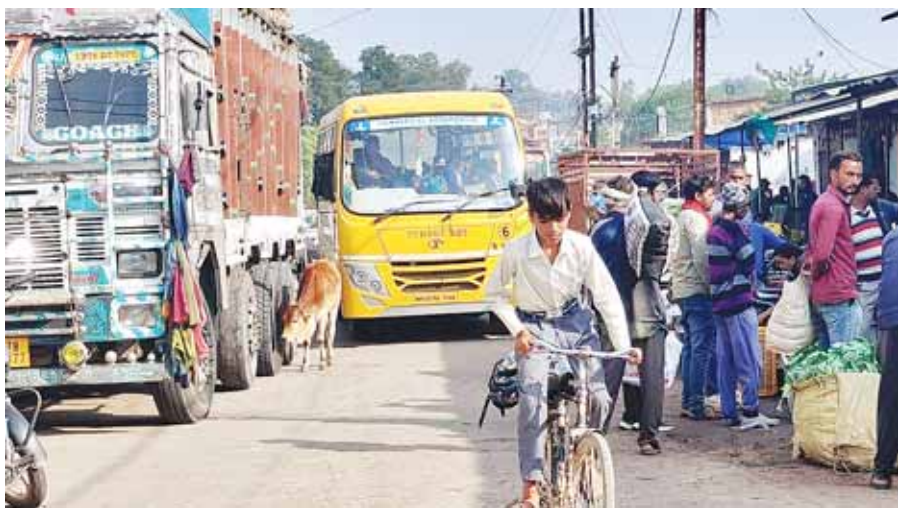

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के आवाम को अव्यवस्थित यातायात होने से जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है वहीं दूसरी ओर यातायात विभाग हाईवे की सड़कों पर वाहन चेकिंग में मशगूल नजर आते हैं। नगर में अव्यवस्थित यातायात होने के कारण प्रतिदिन घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। यह कोई नगर के एक सड़क का हाल नहीं है नगर की विभिन्न सड़कों में यह स्थिति अब आम हो गई है जिसके कारण नागरिक भी अब प्रशासन को कोसते नजर आ रहे हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्तिधाम के पास थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा सड़क के किनारे सब्जी के बोरे पनिया रख देते हैं और सड़क पर ही वहां खड़ा कर आते हुए वाहनों में सब्जी लदवाने का कार्य करवाते हैं दूसरी ओर बड़े वाहनों को सड़क पर ही खडा करवाते हुए सब्जी उतरवाने का कार्य करवाया जाता है और बीच सड़क पर दोपहिया वाहनों का खडा कर दिया जाता है जिसके कारण प्रतिदिन घंटो जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है पैदल चलने वाले राहगीरों को भी आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। जब किसी रास्ते अस्पताल स्कूल एवं नगर पालिका कार्यालय होने के कारण हर समय आवागमन बना रहता है सुबह के समय तो स्थितियां रहती है कि स्कूली बस बच्चों को लाने ले जाने का कार्य करती है जाम की समस्या होने के कारण बस भी प्रतिदिन जाम में फंस जाती है। ऐसा ही हाल शुक्रवार को सुबह देखने को मिला जब सड़क के दोनों और सब्जी के वाहन खड़े थे और सड़क पर ही दो पहिया वाहन खड़ा कर दिया गया था और इस समय स्कूली बस बच्चों को स्कूल ले जाने के निकली है जाम में फंस गई। जिले के कप्तान के द्वारा कोतमा नगर में सप्ताह में 2 दिन यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई जाने को निर्देश दिए गए हैं लेकिन यातायात विभाग नगर की सड़कों से नदारत रहते हैं एक और नगर के नागरिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर यातायात विभाग के कर्मचारी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाईवे में वाहनों की चेकिंग में मशगूल नजर आते हैं इन्हें नगर की यातायात व्यवस्था से कोई लेना देना नहीं है अब तो नगर का आवाम जाम की समस्या से निजात पाने के लिए आस लगाए बैठा नजर आ रहा है।